RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
सितंबर
03
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

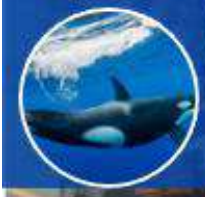

By Ankit Avasthi Sir

अफगानिस्तान में लगातार भूकंप आने के कारण / Reasons for frequent earthquakes in Afghanistan

संदर्भ:

अफगानिस्तान में हाल ही में आए 6.0 तीव्रता के भूकंप ने बड़ी तबाही मचाई है। भूकंप की उथली गहराई और कमजोर इमारती ढाँचों के कारण भारी जनहानि हुई। अब तक लगभग 1,400 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 3,500 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं।

अफगानिस्तान में लगातार भूकंप आने के कारण:

1. **भौगोलिक स्थिति:** अफगानिस्तान उस जगह स्थित है जहां **इंडियन प्लेट** और **यूरेशियन प्लेट** आपस में टकराती हैं।
2. **प्लेट्स की टकराहट:** इन प्लेट्स के आपसी टकराव से ज़मीन के भीतर ऊर्जा का संचय होता है, जो समय-समय पर भूकंप के रूप में बाहर निकलता है।
3. **सक्रिय फॉल्ट लाइन्स:** हिंदूकुश क्षेत्र में कई बड़ी सक्रिय फॉल्ट लाइन्स हैं, जैसे-
    - चमन फॉल्ट
    - हरि रूड फॉल्ट
    - पामीर थ्रस्ट फॉल्ट

हिंदूकुश क्षेत्र: यह क्षेत्र भूकंपीय रूप से बेहद संवेदनशील माना जाता है और यहां अक्सर तेज़ झटके महसूस किए जाते हैं, इन सभी कारणों से अफगानिस्तान दुनिया के सबसे भूकंप-प्रवण क्षेत्रों में शामिल है।

अफगानिस्तान में भूकंप से तबाही के कारण:

अफगानिस्तान में भूकंप से होने वाली भारी तबाही के पीछे कई कारण हैं।

- सबसे पहले, यहां की ज्यादातर इमारतें कच्ची ईंट और मिट्टी जैसी कमजोर सामग्रियों से बनी हैं, जो भूकंप के झटकों को सहन नहीं कर पातीं।
- इसके अलावा, दशकों से चल रहे युद्ध और गरीबी ने वहां भूकंपरोधी निर्माण के लिए आवश्यक साधन और जानकारी की कमी पैदा कर दी है।

भारत ने अफगानिस्तान को भेजी त्वरित राहत सहायता:

भारत ने अफगानिस्तान को भूकंप त्रासदी के बाद त्वरित मदद भेजी है। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मौलवी आमिर खान मुत्तकी से फोन पर बात कर गहरी संवेदना जताई।

- भारत ने काबुल के लिए 1000 टेंट और 15 टन खाद्य सामग्री भेजी, जिसे आगे कुनार प्रांत तक पहुंचाया गया।
- इसके अलावा भारत ने और भी राहत सामग्री भेजने की घोषणा की है।

भूकंप क्या है?

भूकंप उस समय होता है जब पृथ्वी की सतह के नीचे दो प्लेटें (blocks) किसी fault (दरार) के साथ एक-दूसरे के पास से खिसकती हैं, जिससे जमीन हिलती है। इस अचानक गति से जमा **इलास्टिक स्ट्रेन ऊर्जा** (elastic strain energy) मुक्त होती है, जो **सिस्मिक वेव्स (seismic waves)** के रूप में फैलती हैं और जमीन को हिला देती हैं।

- **हाइपोसेंटर (Hypocenter/Focus):** वह स्थान पृथ्वी की सतह के नीचे जहाँ भूकंप शुरू होता है।
- **एपिसेंटर (Epicenter):** वह स्थान पृथ्वी की सतह पर, जो हाइपोसेंटर के ठीक ऊपर होता है।
- **मापन:**
    - **Magnitude (कंपन की तीव्रता):** रिक्टर स्केल (Richter Scale) से मापा जाता है।
    - **Intensity (दिखाई देने वाले नुकसान के आधार पर):** मर्कली स्केल (Mercalli Scale) से मापा जाता है।

भूकंप के प्रभाव:

- भवनों का गिरना, भूस्खलन, सुनामी और आग जैसी आपदाएँ।
- लोगों का विस्थापन और सामाजिक संरचनाओं का नष्ट होना।
- जीवित बचे लोगों में मानसिक आघात ।

अफगानिस्तान में भूकंप के कारण ज्यादा नुकसान:

- **उथली गहराई:** भूकंप सतह के नजदीक आया, जिससे झटके और नुकसान बढ़ गया।
- **कमजोर निर्माण:** ग्रामीण क्षेत्रों में मिट्टी और पत्थर से बने भवन, जिनमें इंजीनियरिंग मानक नहीं थे, गिरने के लिए अधिक प्रवण थे।

सेमीकॉन इंडिया-2025 / Semicon India-2025

संदर्भ:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में **सेमीकॉन इंडिया-2025** का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में कहा कि दुनिया भारत पर भरोसा करती है और वैश्विक सेमीकंडक्टर भविष्य में भारत के साथ काम करने को तैयार है।

प्रधानमंत्री का सेमीकंडक्टर क्षेत्र पर बयान:

- प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब केवल **बैकएंड सेमीकंडक्टर उत्पादन** तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि **फुल-स्टैक सेमीकंडक्टर राष्ट्र** बनने की दिशा में बढ़ रहा है।
- उन्होंने सभी निवेशकों का स्वागत किया और कहा कि वह दिन दूर नहीं जब दुनिया कहेगी: "Designed in India, Made in India, Trusted by World."

कार्यक्रम का थीम: "अगली सेमीकंडक्टर महाशक्ति का निर्माण"

कार्यक्रम का उद्देश्य:

- भारत के **सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम** को मजबूत करना।
- नई तकनीकों को बढ़ावा देना।
- वैश्विक निवेश को आकर्षित करना।

मुख्य गतिविधियाँ:

- प्रधानमंत्री सीईओ राउंडटेबल में शामिल होंगे।
- उद्योग जगत के दिग्गज भारत को सेमीकंडक्टर हब बनाने की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

सेमीकॉन इंडिया 2025 में भागीदारी और आयोजन विवरण:

- **प्रतिनिधि:** 48 से अधिक देशों के 2,500 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे।
- **वैश्विक हस्तियां:** 50 से अधिक।
- **वक्ताओं की संख्या:** 150 से अधिक।
- **प्रदर्शक:** 350 से अधिक।
- **कुल प्रतिभागी:** 20,750 से अधिक।

विशेष आयोजन:

- छह देशों की गोलमेज चर्चाएँ, देशों के पवेलियन, कार्यबल विकास और स्टार्टअप्स के लिए विशेष मंडप।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन और विक्रम 32-बिट प्रोसेसर:

- केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री **अश्विनी वैष्णव** ने बताया कि केवल **3.5 साल पहले** शुरू किए गए **भारत सेमीकंडक्टर मिशन** ने इतनी कम अवधि में **दुनिया का भरोसा** हासिल कर लिया है।
- उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को **विक्रम 32-बिट प्रोसेसर** और **चार प्रोजेक्ट्स के टेस्ट चिप्स** भेंट किए।
- **विक्रम 32-बिट प्रोसेसर:**
  - भारत में पूरी तरह विकसित पहला **32-बिट माइक्रो प्रोसेसर**।
  - इसे **ISRO सेमीकंडक्टर लैब** ने तैयार किया है।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) के बारे में:

भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) 2021 में शुरू किया गया था और यह इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY), भारत सरकार के अंतर्गत एक विशेषीकृत और स्वतंत्र संस्थान है। यह डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन के भीतर एक स्वतंत्र व्यवसायिक विभाग के रूप में कार्य करता है।

- ISM का उद्देश्य एक सशक्त सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले इकोसिस्टम तैयार करना है, जिससे भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण और डिजाइन का केंद्र बनाया जा सके।
- ISM को पूर्ण प्रशासनिक और वित्तीय अधिकार प्राप्त हैं और इसे भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी दी गई है, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग, पैकेजिंग और डिजाइन शामिल हैं।
- इस मिशन के पास वैश्विक विशेषज्ञों से बनी सलाहकार समिति है, जो दिशा-निर्देशन देती है। ISM नोडल एजेंसी के रूप में यह सुनिश्चित करता है कि भारत के सेमीकंडक्टर और निर्माण इकोसिस्टम के विकास के लिए योजनाओं का संगठित, कुशल और सुचारू क्रियान्वयन हो।
- ISM सेमिकॉन इंडिया प्रोग्राम के तहत स्वीकृत योजनाओं को भी देखरेख करता है।

सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के तहत शुरू की गई योजनाएं

- **भारत में सेमीकंडक्टर फैब स्थापित करने की योजना**: देश में सेमीकंडक्टर निर्माण क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से।
- **भारत में डिस्प्ले फैब स्थापित करने की योजना:** उन्नत डिस्प्ले पैनल निर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए।
- कंपाउंड सेमीकंडक्टर/सिलिकॉन फोटोनिक्स/सेंसर फैब तथा सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग (ATMP)/OSAT सुविधाएं स्थापित करने की योजना
- **डिज़ाइन लिंक्ड इंसेंटिव (DLI) योजना:** सेमीकंडक्टर डिजाइन स्टार्टअप्स और घरेलू कंपनियों को प्रोत्साहित कर नवाचार और रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए।

गन्ने से एथेनॉल उत्पादन पर लगी रोक हटाई गई / The ban on production of ethanol from sugarcane has been lifted

संदर्भ:

भारत सरकार ने सोमवार को एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर **गन्ने का रस, सीरप और सभी प्रकार के मोलासेस से एथेनॉल उत्पादन पर लगी सीमाएं हटा दी हैं**। यह निर्णय **वित्त वर्ष 2025-26** से लागू होगा।

- भारत, जो दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक है, ने पहले गन्ने की आपूर्ति में कमी के कारण चालू विपणन वर्ष में उत्पादन पर कुछ प्रतिबंध लगाए थे।
- अब इन प्रतिबंधों के हटने से **गन्ना किसान और एथेनॉल उद्योग दोनों को लाभ** होगा, क्योंकि इससे उत्पादन में वृद्धि और बाजार में स्थिरता आने की उम्मीद है।

एथेनॉल उत्पादन पर पहले रोक क्यों लगी थी?

- पहले एथेनॉल उत्पादन पर **मात्रा की सीमा** तय थी।
- यह खासकर उन वर्षों में लागू था जब **गन्ने की फसल कम** होती थी।
- सरकार इस पर **कड़ी नजर** रखती थी, इस साल **लगातार अच्छे मानसून** और **गन्ने की बढ़ी हुई पैदावार** के कारण, सरकार ने **इस पाबंदी को हटाने** का निर्णय लिया।

1 नवंबर से शुगर मिलों के लिए रास्ता आसान:

- भारत चीनी उत्पादन में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।
- पहले एथेनॉल उत्पादन पर कुछ रोक लगी थी, लेकिन अब शुगर मीलों के लिए रास्ता आसान हो गया है।
- इसका मतलब है कि कंपनियां अब जितना चाहें उतना एथेनॉल उत्पादन कर सकती हैं।
- सरकार ने स्पष्ट किया कि यह छूट 1 नवंबर से लागू होगी।
- साथ ही कहा गया कि देश में चीनी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर इस नीति की समीक्षा की जाती है।
- यदि आवश्यक हो तो शुगर सीरप से एथेनॉल उत्पादन पर रोक भी लगाई जा सकती है।

इथेनॉल के बारे में:

1. इथेनॉल क्या है?

- इथेनॉल एक प्रकार का **ईंधन** है जिसका इस्तेमाल वाहनों को चलाने में किया जाता है।
- यह **प्रदूषण कम करने** में मदद करता है और **पर्यावरण के लिए सुरक्षित** है।
- इसे **एथिल अल्कोहल** या **अनाज अल्कोहल** के रूप में भी जाना जाता है।
- ईंधन के रूप में इसे अक्सर **गैसोलीन** के साथ मिलाया जाता है:
  - **E10:** 10% इथेनॉल + 90% गैसोलीन
  - **E85:** 85% इथेनॉल + 15% गैसोलीन
- इसे **नवीकरणीय ऊर्जा** माना जाता है क्योंकि इसे **गन्ना, मक्का या अन्य कृषि फसलों** से बनाया जा सकता है।

2. इथेनॉल कैसे बनता है?

- मुख्य रूप से गन्ने और अन्य चीनी फसलों से तैयार किया जाता है।
- चीनी उत्पादन के उप-उत्पाद से भी इथेनॉल बनाया जा सकता है।
- उत्पादन के बाद इसे गैसोलीन के साथ मिलाकर जैव ईंधन बनाया जाता है, जैसे E10 या E85।
- इसे घरेलू स्तर पर कृषि फसलों से भी उत्पादित किया जा सकता है, जिससे कच्चे तेल के आयात की आवश्यकता कम होती है।

3. गन्ने का इथेनॉल उत्पादन में अहम रोल:

- गन्ना इथेनॉल उत्पादन का मुख्य कच्चा माल है।
- गन्ने में सुक्रोज की अधिकता इसे इथेनॉल उत्पादन के लिए आदर्श बनाती है।
- मिलिंग और क्रशिंग प्रक्रिया में गन्ने का रस निकालकर उसे इथेनॉल में बदला जाता है।
- बचा हुआ रेशेदार कचरा (Bagasse) बिजली और भाप उत्पादन के लिए बायोमास ईंधन के रूप में इस्तेमाल होता है।

4. किसानों को कैसे मिलता है लाभ:

- इथेनॉल उत्पादन से किसानों की कृषि उत्पादों की मांग बढ़ती है, जिससे उनकी आमदनी बढ़ती है।
- पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिलावट किसानों को गन्ना और मक्का जैसी फसलों की बेहतर कीमत दिलाने में मदद करती है।
- इससे बाजार में स्थिरता आती है और किसानों को अतिरिक्त आय का अवसर मिलता है।
- यह पहल कृषि और हरित ऊर्जा दोनों को लाभ पहुँचाती है।

एयर क्वालिटी लाइफ इंडेक्स (AQLI) 2025 रिपोर्ट / Air Quality Life Index 2025 Report

संदर्भ:

भारत के लिए वायु प्रदूषण अब सबसे गंभीर स्वास्थ्य संकट के रूप में सामने आया है। एयर क्वालिटी लाइफ इंडेक्स (AQLI) 2025 रिपोर्ट के अनुसार, प्रदूषित हवा ने देशवासियों की औसत आयु में **3.5 वर्ष की कमी** कर दी है। यह आंकड़ा न सिर्फ पर्यावरणीय संकट को दर्शाता है, बल्कि आने वाले समय में स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और जीवन की गुणवत्ता पर इसके गहरे प्रभावों की चेतावनी भी देता है।

Air Quality Life Index (AQLI) के बारे में:

- **परिभाषा:** यह सूचकांक वायु प्रदूषण (particulate air pollution) के जीवन प्रत्याशा (life expectancy) पर प्रभाव को मापता है।
- **विकास:** इसे माइकल ग्रीनस्टोन और यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टिट्यूट (EPIC) द्वारा विकसित किया गया।
- **कार्यप्रणाली:** AQLI लंबे समय तक वायु प्रदूषण के प्रभावों और वैश्विक कण प्रदूषण (particulate pollution) के आंकड़ों को जोड़कर प्रदूषण के प्रभाव का आंकलन करता है।
- **उद्देश्य:** यह दुनिया भर की समुदायों पर वायु प्रदूषण की वास्तविक लागत को समझने में मदद करता है।

Air Quality Life Index 2025 रिपोर्ट की मुख्य बातें:

- भारत में वायु प्रदूषण सबसे गंभीर स्वास्थ्य खतरा बन गया है, जिससे देश की औसत जीवन प्रत्याशा 3.5 वर्ष कम हुई है।
- विषैला वायु प्रदूषण बच्चों और मातृ कुपोषण के प्रभाव से लगभग दोगुना और असुरक्षित पानी, स्वच्छता और हाथ धोने की कमी के प्रभाव से 5 गुना अधिक जीवन हरा रहा है।
- भारत की 1.4 बिलियन आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती है जहाँ PM2.5 का स्तर WHO की सुरक्षित सीमा 5 µg/m³ से अधिक है।
- उत्तरी भारत का क्षेत्र अभी भी सबसे प्रदूषित है, यहाँ 544.4 मिलियन लोग (38.9%) गंभीर प्रदूषण के अधीन हैं।
- **Delhi-NCR:** जीवन प्रत्याशा में **8.2 साल की कमी**।
- **Bihar:** 5.6 साल की कमी
- **Haryana:** 5.3 साल की कमी
- **Uttar Pradesh:** 5 साल की कमी
- भारत के अपने PM2.5 मानक **40 µg/m³** के अनुसार भी, Delhi-NCR के लोग **4.74 साल** की जीवन प्रत्याशा खो रहे हैं।
- **46% भारतीय** ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं जो भारत के ही PM2.5 मानक से अधिक प्रदूषित हैं।
- यदि प्रदूषण को **राष्ट्रीय मानक तक कम किया जाए**, तो औसत जीवन प्रत्याशा **1.5 साल बढ़ सकती है**।
- WHO की सख्त **5 µg/m³ सीमा** तक पहुंचने पर, स्वच्छ क्षेत्रों में भी **9.4 महीने का जीवन लाभ** हो सकता है।
- AQLI रिपोर्ट यह भी बताती है कि **दक्षिण एशिया विश्व का सबसे प्रदूषित क्षेत्र** है, जहाँ 2023 में PM2.5 स्तर **2.8% बढ़ा** है।

क्षेत्रीय प्रभाव:

- पूरे क्षेत्र में औसत जीवन प्रत्याशा **3 साल कम** हो जाती है।
- सबसे प्रभावित क्षेत्रों में जीवन प्रत्याशा **8 साल या उससे अधिक** कम हो जाती है।

AQLI 2025 – सुझाव:

- रिपोर्ट वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सशक्त और प्रमाण-आधारित नीतियों की तत्काल आवश्यकता पर जोर देती है।
- यह स्पष्ट करती है कि वायु को साफ करना केवल पर्यावरण के लिए नहीं, बल्कि मानव जीवन को बढ़ाने के लिए भी आवश्यक है।
- रिपोर्ट में निम्नलिखित कदम सुझाए गए हैं:
  - **सफाई वाली ऊर्जा** का विस्तार करना।
  - **सख्त उत्सर्जन मानक** लागू करना।
  - **हरित अवसंरचना** में निवेश करना।
  - जनता में जागरूकता बढ़ाना और नीति निर्माण के माध्यम से **स्वास्थ्य संकट** से निपटना।

वैश्विक शांति सूचकांक 2025 / Global Peace Index 2025

संदर्भ:

इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस (IEP) ने 2025 का ग्लोबल पीस इंडेक्स जारी किया, जिसमें आइसलैंड लगातार दुनिया का सबसे शांत और सुरक्षित देश बना। जबकि एशिया में सिंगापुर को सबसे सुरक्षित देश का दर्जा मिला, भारत इस बार भी टॉप 100 देशों में जगह बनाने में सफल नहीं हो पाया।

- यह रिपोर्ट इंस्टिट्यूट फॉर इकनॉमिक्स एंड पीस (IEP) द्वारा जारी की गई है। इस इंडेक्स में 163 स्वतंत्र देशों और क्षेत्रों का मूल्यांकन किया गया, जो दुनिया की लगभग 99.7% आबादी को कवर करता है।

वैश्विक शांति सूचकांक 2025: मुख्य बिंदु

- **आइसलैंड** वर्ष 2025 में भी अपने **स्कोर 1.095** के साथ लगातार **प्रथम स्थान** पर बना रहा।
- **GPI में स्कोर 1** का अर्थ है **सबसे अधिक शांतिपूर्ण देश**, जबकि **उच्च स्कोर (जैसे 163 या उससे अधिक)** का अर्थ है **सबसे अधिक अशांत देश**।
- 2025 में वैश्विक शांति में फिर से गिरावट दर्ज की गई है, जो पिछले 15 वर्षों में 12वीं बार है। जिसका मुख्य कारण घरेलू अशांति, आंतरिक प्रदर्शनों और नए संघर्षों का उभरना है।

दुनिया के 05 सबसे शांतिपूर्ण देश:

- साल 2025 में दुनिया के सबसे शांतिपूर्ण देशों में शीर्ष पाँच देशों में आइसलैंड, आयरलैंड, न्यूज़ीलैंड, ऑस्ट्रिया और स्विट्ज़रलैंड शामिल हैं।

सबसे असुरक्षित देश: सबसे नीचे **रूस, यूक्रेन, सूडान, कांगो और यमन** जैसे देश हैं, जहां संघर्ष और हिंसा लगातार बढ़ रही है। **दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और पाकिस्तान** में नागरिक अशांति और कड़े नीतिगत दबाव के कारण हालात बिगड़े हैं। इन देशों में राजनीतिक अस्थिरता और सामाजिक टकराव के चलते अशांति फैली हुई है।

एशिया के 10 सबसे शांतिपूर्ण देश (2025): साल 2025 में एशिया के सबसे शांतिपूर्ण देशों में शीर्ष पांच देशों में **सिंगापुर, जापान, मलेशिया, भूटान और मंगोलिया** शामिल हैं। ये देश सामाजिक स्थिरता, सुरक्षा और शांतिपूर्ण वातावरण के लिए पूरे एशिया में उदाहरण माने जाते हैं।

ये देश **क्षेत्रीय स्थिरता**, **कम अपराध दर**, और **प्रभावी शासन व्यवस्था** के कारण एशिया में सबसे अधिक शांतिपूर्ण देश हैं।

भारत की स्थिति: वैश्विक शांति सूचकांक 2025 के अनुसार:

स्थान: 115वां (कुल 163 देशों में)

स्कोर: 2.229 (पिछले वर्ष 2024 में 116वें स्थान पर)

भारत की शांति रैंकिंग को प्रभावित करने वाले प्रमुख **कारक:**

- आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियाँ
- सीमा क्षेत्रों पर लगातार तनाव
- शहरी क्षेत्रों में सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताएँ
- कानून-व्यवस्था का क्षेत्रीय असमान प्रभाव

वैश्विक शांति सूचकांक (Global Peace Index):

- **परिभाषा:** GPI एक वार्षिक रिपोर्ट है जो **163 देशों और क्षेत्रों** को उनके **शांति स्तर** के आधार पर रैंक करती है।
- **प्रकाशक:** इसे **अर्थशास्त्र एवं शांति संस्थान (Institute for Economics & Peace - IEP)** द्वारा प्रकाशित किया जाता है।
- **उद्देश्य:** यह शांति मापने का प्रमुख सूचकांक माना जाता है और हिंसा, सुरक्षा, आंतरिक संघर्ष, और राजनीतिक अस्थिरता जैसे संकेतकों का विश्लेषण करता है।

उपयोगिता:

- नैतिकता, सुरक्षा और नीति निर्धारण में सहायक।
- सामाजिक एवं आर्थिक सुधार की दिशा निर्धारित करने में मदद।

अर्थशास्त्र एवं शांति संस्थान (IEP):

- यह एक **स्वतंत्र और गैर-लाभकारी थिंक टैंक** है, जो शांति का विश्लेषण करता है और इसके **आर्थिक महत्व** को समझता है।
- IEP **शांति** को बढ़ावा देने के लिए काम करता है।
- **स्थापना:** 2007 में स्टीव किलेलिया द्वारा।
- **मुख्यालय:** सिडनी, ऑस्ट्रेलिया।

प्रसिद्ध सूचकांक:

1. **वैश्विक शांति सूचकांक**
2. **वैश्विक आतंकवाद सूचकांक**

DIGIPIN पहल / DIGIPIN Initiative

संदर्भ:

डाक विभाग ने ईएसआरआई इंडिया के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य **DIGIPIN पहल को और सशक्त बनाना** है। यह पहल देशभर में डिजिटल मैपिंग और एड्रेसिंग समाधानों को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

DIGIPIN (Digital Postal Index Number) के बारे में:

- **परिभाषा:** DIGIPIN एक ओपन-सोर्स, इंटरऑपरेबल, जियो-कोडेड, ग्रिड-आधारित डिजिटल पता प्रणाली है।
- **विकास:** इसे डिपार्टमेंट ऑफ पोस्ट्स, IIT हैदराबाद, और NRSC, ISRO के सहयोग से विकसित किया गया।
- **कार्यप्रणाली:**
  - भारत को लगभग **4 मीटर x 4 मीटर के ग्रिड्स** में बाँटा गया है।
  - प्रत्येक ग्रिड को **अद्वितीय 10-अक्षरी अल्फ़ान्यूमेरिक कोड** दिया जाता है, जो **अक्षांश और देशांतर (latitude-longitude) निर्देशांकों** पर आधारित होता है।

उद्देश्य और महत्व:

- यह डिपार्टमेंट ऑफ पोस्ट्स की Address-as-a-Service (AaaS) विज़न का मुख्य स्तंभ है।
  - AaaS का मतलब है पता डेटा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न सेवाएँ, जो उपयोगकर्ताओं, सरकारी निकायों और निजी संस्थाओं के बीच सुरक्षित और कुशल इंटरैक्शन सुनिश्चित करती हैं।
- यह सार्वजनिक और निजी सेवाओं के लिए पता प्रणाली को सरल बनाता है, जिससे लॉजिस्टिक्स की दक्षता और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमताएँ सुधरती हैं।

युद्ध अभ्यास 2025 / Yudh Abhyas 2025

संदर्भ:

भारतीय सेना का एक दल अलास्का के फोर्ट वेनराइट पहुँचा है, जहाँ वह भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य अभ्यास *'युद्ध अभ्यास 2025'* के 21वें संस्करण में भाग लेगा। यह अभ्यास दोनों देशों की सेनाओं के बीच आपसी सहयोग, तालमेल और सैन्य कौशल को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर केंद्रित होगा।

Yudh Abhyas के बारे में

- **प्रकृति:** भारत और अमेरिका के बीच **वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास**।
- **शुरुआत वर्ष:** 2004 से नियमित रूप से आयोजित।
- **उद्देश्य:**
  - सैन्य सहयोग बढ़ाना।
  - प्रशिक्षण आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना।
  - सांस्कृतिक अंतरक्रिया को बढ़ावा देना।
  - संयुक्त संचालन कौशल विकसित करना।
- **पिछली कड़ी:** महाजन फील्ड फायरिंग रेंज, राजस्थान में आयोजित।

Yudh Abhyas 2025 संस्करण

प्रतिभागी:

- **भारतीय सेना:** मद्रास रेजिमेंट की एक बटालियन के जवान।
- **अमेरिकी सेना:** 5th Infantry Regiment ("Bobcats") के सैनिक, Arctic Wolves Brigade Combat Team, US 11th Airborne Division के हिस्से।

प्रशिक्षण का दायरा और फोकस:

- **रणनीतिक अभ्यास (Tactical Drills):** हेलिबोर्न ऑपरेशन्स, पर्वतीय युद्ध, और **आर्टिलरी, एविएशन, और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों** का समन्वित उपयोग।
- **तकनीक का उपयोग:** निगरानी संसाधनों और **अनमैंड एरियल सिस्टम्स (UAS)** का संचालन।
- **संयुक्त योजना (Joint Planning):** उच्च-ऊँचाई युद्ध परिदृश्यों में **समन्वित युद्धाभ्यास और लाइव-फायर अभ्यास**।

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

- इतिहास
- अर्थव्यवस्था
- भूगोल
- भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था

1500x4
~~₹6000/-~~

₹4500/-

- रोज़ाना लाइव क्लासेस
- साप्ताहिक टेस्ट
- क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
- लाइव डाउट सेशन
- रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न

COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
COURSE FEE
~~₹4000/-~~
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात
Baaten Bazar Ki

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE

BBK
Baaten Bazaar ki

EMI AVAILABLE

+ **(FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)**

- Long-Term Investing Foundations
- Principles of Value Investing and Stock
- Portfolio Construction Mastery
- Sectoral Investing
- Stock Picking Framework
- Active Portfolio Management Techniques
- Mega Cap vs Mid Cap Strategy

SPECIAL BONUS

COURSE VALIDITY
1 YEAR